Notice to Indian High Commission in London

2741. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether as reported in the Economic Times of 26th August, 1993 it is a fact that the Indian High Commission in UK has been served with a notice to pay $ 20m or to vacate the premises occupied by it in London;

(b) if so, in what circumstances such a high arrear of rent has been accumulated; and

(c) what steps have since been taken to settle the issue?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R.L. BHATIA): (a) The Indian High Commissioner in London is residing at 9, Kensington Palace Gardens which was taken on lease in 1949. The lease expired on 5th April, 1990. The property is Crown Estate property and is administered by Crown Estate Commissioners under the local Crown Estates Act, 1961, which requires the Commissioners to follow commercial principles. On the expiry of the lease, the Crown Estate Commissioners intimated, *inter alia*, the monetary terms for the renewal of lease for a period of 62 years from 5.4.1990 to 4.4.2052 amounting to Ponds 20.45 million or vacation of premises.

(b) Pending renewal of the lease, the Crown Estate Commissioners have demanded payment of Pounds 3,00,000/- per annum w.e.f. 5.4.1990. Hence, rent arrears, even as per the Crown Estate's calculations from 5.4.90 to present, work out to Pounds 1,075,000/- only.

Owing to the very steep increase demanded by the Crown Estate for the renewal of the lease for our High Commissioners residence in London, no satisfactory solution has been found. All options, including the purchase of alternative accommodation for the Hig Commissioner are being considered.

(c) Arrears of rent would be settle as a part of a comprehensive solution.

पाकिस्तान के प्रधान मंत्री की भारत यात्रा की इच्छा

2742. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान कलकत्ता के 21 नवम्बर, 1993 के "दि टेलीग्राफ" में प्रकाशित उस समाचार की ओर दिलाया गया है जिसमें पाकिस्तान की प्रधान मंत्री श्रीमती बेनजीर भुट्टो ने दिल्ली आने और परमाणु सम्बन्धी विषयों पर बातचीत करने की उत्सुकता जताई है; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में भारत सरकार की प्रतिक्रिया क्या है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया): (क) और (ख) सरकार ने 21 नवम्बर, 1993 के "द टेलीग्राफ" में छपी यह खबर देखी है जिसमें पाकिस्तान की प्रधान मंत्री के हवाले से यह कहा गया है कि वे नई दिल्ली आने को तैयार हैं बशर्ते उन्हें पाकिस्तान के मसले पर भारत के साथ सार्थक बातचीत की संभावना नजर आए।

24 नवम्बर, 1993 को भारत तथा पाकिस्तान की सरकारों द्वारा जारी एक संयुक्त विज्ञप्ति में इस बात पर सहमति व्यक्त की गई है कि दोनों देशों के बीच विदेश सचिव स्तर की बातचीत पुनः शुरू की जाएगी। यह बातचीत 1—3 जनवरी, 1994 तक इस्लामाबाद में होगी और उम्मीद है कि इसके दौरान द्विपक्षीय मसलों पर व्यापक बातचीत होगी। इन मसलों में जम्मू कश्मीर के मसले के सभी पहलू भी शामिल होंगे।

भारतीय सेना की वर्दी में पाकिस्तान के आई० एस०आई० कर्मचारियों द्वारा कश्मीरी आतंकवादियों की सहायता

2743. **श्री शांति त्यागी:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान भारतीय समाचार पत्रों में प्रकाशित उस समाचार की ओर दिलाया गया